काशी-उज्जैन की तर्ज पर विकसित होगा हरकी पैड़ी, ऋषिकेश कॉरिडोर

पीएम को सीएम ने बताई योजना, चमोली के मूसा पानी का पर्यटन केंद्र के रूप में होगा विकास

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून। काशी विश्वनाथ व उज्जैन महाकाल कॉरिडोर की भांति हर की पैड़ी हरिद्वार व ऋषिकेश कॉरिडोर बनाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उन्हें इस योजना से अवगत करा दिया है। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए चमोली जिले के मूसा पानी स्थल को विकसित किए जाने की जानकारी भी पीएम को दी। इस स्थान को गुजरात के नडाबेट की तर्ज पर विकसित किया जाएगा।

नई दिल्ली में हुई मुलाकात में सीएम धामी ने पीएम मोदी को राज्य की नई पर्यटन नीति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चमोली जिले में भारत-चीन सीमा पर बसे माणा गांव से लगभग 5 किमी की दूरी पर मौजूद मूसा पानी स्थान में व्यू प्वाइंट बनाया जाएगा। इससे देश दुनिया से पर्यटन सीमा दर्शन के लिए मूसा पानी आएंगे। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। केदारनाथ धाम और बदरीनाथ धाम के पुनर्निर्माण कार्यों की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि कुमाऊं क्षेत्र में स्कंद पुराण में उल्लेखित मानसखंड मंदिर माला मिशन के तहत सर्किट के रूप में 48 मंदिरों व गुरुद्वारों को चिन्हित किया गया है। जिसमें प्रथम चरण में 16 मंदिरों में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अवस्थापना विकास की योजना बनाई जा रही है।

जोशीमठ के लिए योजनाएं भी बताईं

नई दिल्ली/देहरादून। दिल्ली में सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के दौरान सीएम पुष्कर धामी ने जोशीमठ क्षेत्र में राहत और बचाव कार्य के लिए उठाए गए कदमों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान सीएम ने प्रभावितों को तत्काल अस्थायी राहत और भविष्य में स्थायी राहत की योजना पेश की। अस्थायी राहत के तहत तत्काल 150 प्री फेब्रिकेटेड घर बनाने, दरारें भरने के काम, फौरी प्रभावित भत्ते पर जोर दिया गया। पुनर्वास और राहत योजना में आवासीय और व्यावसायिक भवनों-कारोबारों के नुकसान के लिए अलग-अलग मुआवजा निर्धारित करने, असुरक्षित जोन में आने वाले परिवारों के जमीन, स्थायी पुनर्वास से संबंधित विषयों पर भी चर्चा हुई। सीएम ने कहा कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में राज्य सरकार ने उत्तराखंड लैंडस्लाइड मिटिगेशन एंड मैनेजमेंट सेंटर स्थापित कर लिया है। यह राष्ट्रीय स्तर पर भूमि धंसाव सुधार एवं प्रबंधन पर सलाह देगा। सेंटर ने जोशीमठ में कार्य करना आरंभ कर दिया है। इसके सहयोग से प्रभावित भू-धंसाव, आपदा प्रभावित जोखिम क्षेत्र का रोडमैप तैयार कर दिया गया है। केंद्रीय मदद से चलने वाली योजनाओं के जरिये राज्य के विकास में सहयोग के लिए उन्होंने पीएम का आभार जताया। ब्यूरो

ये जानकारी भी दी

- मानसखंड मंदिर माला मिशन के तहत 48 में से 16 मंदिरों का सर्किट के लिए अवस्थापना कार्य किए जा रहे हैं।
- युवाओं को जापान, जर्मनी, यूके अमेरिका, सिंगापुर आस्ट्रेलिया तथा कनाडा में मुख्य रूप से एल्डर केयर, नर्सिंग, आतिथ्य सत्कार, आयुष से जुड़े सेक्टर में पैकेज दिलाया जाएगा।
- नीति आयोग की तर्ज पर स्टेट इंस्टीट्यूट फॉर इंपावरिंग एंड ट्रांसफॉर्मिंग उत्तराखंड (सेतु) बनाया जा रहा है।
- वर्ष 2027 तक 2500 मेगावाट सोलर ऊर्जा क्षमता को प्राप्त करने का लक्ष्य रखा गया है।
- राज्य में नाबार्ड ने 18 हजार पॉली हाउस की स्थापना के लिए 280 करोड़ मंजूर किए। इससे लगभग एक लाख लोगों को रोजगार मिलेगा।

500 मेरिनो भेड़ आयात करेगा उत्तराखंड

देहरादून। उत्तराखंड सरकार 500 मेरिनो भेड़ आयाता करेगी। इससे 500 मीट्रिक टन ऊन प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय पशुधन मिशन के तहत आस्ट्रेलिया से 240 मेरिनो भेड़ दिसंबर 2019 में आयात की गई थीं। इसकी सफलता के आधार पर प्रथम चरण में 500 मेरिनो भेड़ों को आयात करने का प्रस्ताव है, जिससे आगामी तीन-चार महीनों में लगभग 500 मीट्रिक टन उच्च गुणवत्ता की ऊन प्राप्त हो सकती है, जो आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा के अन्तर्गत भारतीय वस्त्र उद्योग के लिए महत्वपूर्ण है। ब्यूरो